प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

01.08.2024 / प्रादेशिक समाचार / 18:00 बजे

बादल फटा

हिमाचल प्रदेश में बीती रात हुई मानसून की भारी वर्षा और बादल फटने से तीन ज़िलों शिमला, कुल्लू और मंडी में जानमाल को भारी क्षति हुई है। बादल फटने की घटनाओं में 55 लोग लापता हैं जबकि 2 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है। बादल फटने की घटनाओं के कारण भारी बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों से मिली जानकारी के मुताबिक कुल्लू जिले में तीन जगह और मंडी व शिमला में एक–एक जगह बादल फटने की घटनाएं हुई है। उन्होंने कहा कि शिमला जिले के झाकड़ी का समेज क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां बादल फटने से आवासीय क्षेत्र से 36 लोग लापता हैं और एक सड़क मार्ग भी अवरुद्ध है। मंडी जिले की पधर तहसील के टिक्कन–थालूकोट गांव में सात लोग लापता हैं, जबकि दो लोगों के शव बरामद हुए हैं और तीन घरों को भी नुकसान पहुंचा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल्लू जिले के निरमंड तहसील के जाओं गांव में बादल फटने से सात लोग लापता हैं व नौ घर बाढ़ में बह गए हैं, जबकि दो पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, उच्च पर्वतीय क्षेत्र में बादल फटने से पिन पार्वती नदी का जलस्तर बढ़ा है जिसमें एक बस बह गई है।

बादल फटा–2

उन्होंने बताया कि मलाणा के जरी में भी एक पुल क्षतिग्रस्त हुआ है और मलाणा में ही ब्यास नदी के किनारे 9 लोग फंसे हुए हैं, जिनको सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा इस समय लोगों के जीवन की सुरक्षा प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पूरी मशीनरी युद्धस्तर पर राहत व पुनर्वास कार्य में जुटी हुई है। उन्होंने संबंधित जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों को फौरन राहत पहुंचाने के अलावा बेली पुलों का निर्माण किया जाए, ताकि प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पुलिस को पांच ड्रोन दे रही है, ताकि प्रभावित क्षेत्र में परिवहन गतिविधियों का संचालन किया जा सके। इसके अलावा संचार तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए उप–मंडलाधिकारी स्तर पर सैटेलाइट फोन उपलब्ध करवाए गए हैं और पुलिस स्टेशनों व चौकियों को 50 विद्युत जेनरेटर भेजे जा रहे हैं, ताकि विद्युत आपूर्ति में कोई बाधा न आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा अगले 24 घंटों में जारी की गई भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए लोगों से ऐहतियात बरतने और नदी–नालों के करीब न जाने का आह्वान किया है।

बादल फटा–3

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आपदा निगरानी के लिए 13 स्थानों पर राज्य आपातकालीन केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से सभी संवेदनशील स्थानों पर 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए कहा है कि आपदा की इस घड़ी में प्रदेश सरकार प्रभावितों के साथ खड़ी है और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज सुबह केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से दूरभाष पर बात की और राज्य में भारी वर्षा और बादल फटने के कारण उत्पन्न स्थिति से अवगत करवाया। उन्होंने केन्द्र सरकार से इस आपदा से निपटने के लिए उदारतापूर्वक सहयोग करने का आग्रह किया। बैठक में राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मानसून नुकसान

इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा व बादल फटने की घटनाओं से उत्पन्न स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने शीर्ष अधिकारियों से प्रभावितों को हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने को कहा है। गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से दूरभाष के माध्यम से बात की और एनडीआरएफ की दो बटालियन की मंजूरी देने सहित हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी प्रदेश में हुए भारी नुकसान पर मुख्यमंत्री से फोन पर जानकारी ली है और केंद्र से हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया है।

अनुराग ठाकुर

पूर्व केन्द्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल में भारी बारिश से उत्पन्न हालातों पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से बात की। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बादल फटने और भारी बारिश से जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि हिमाचल के हालात पर केन्द्र सरकार पूरी नजर बनाए हुए हैं और केन्द्र की मोदी सरकार ने मुख्यमंत्री को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष हिमाचल में आई आपदा के समय भी केन्द्र द्वारा भरपूर मदद दी गई थी और इस बार भी कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

इसी के साथ ये समाचार बुलेटिन समाप्त हुआ–नमस्कार।